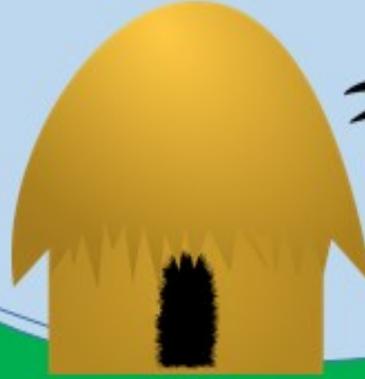




चिड़िया लायी चावल का दाना

मेरी पहली कविता



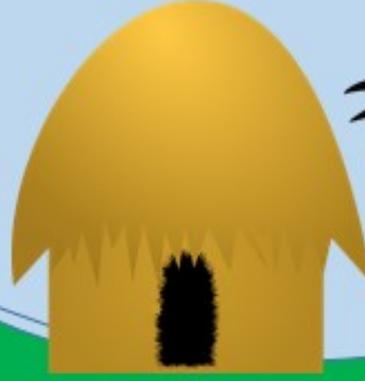


सत्यव्रत प्रकाशन द्वारा

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण २०१५

भूमिका



यह एक छोटी सी, प्यारी सी कविता है।

इसे पढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है , कि आप इसे अपने नन्हे मुन्नों के संग गा कर पढ़ें। पढ़ते हुए हाथ हिलाना ना भूलें. नन्हे मुन्ने अक्सर किताब को छोड़ आपके हाथों की ओर देखने लगेंगे. और फिर धीरे धीरे, अपने हाथ आपके हाथों के समान चलाने लगेंगे. :)

This is a small, cute nursery rhyme in Hindi. The best way to read it, is with your children, using your hands a lot. Your little angel will soon forget about the pictures in the book and start emulating your hands. :)



चिड़िया लायी चावल का दाना



कौवा लाया दाल का दाना





दोनों ने मिल कर खिचड़ी पकाई





तभी वहां पर मैना आई





उस ने सारी खिचड़ी चुरायी





चिड़िया बोली, “उफ्फ! मेरी माई!”





अगर आप को ये कविता पसंद आई , तो हमारी और किताबें भी ज़रूर देखें :

- माँ करती है कितना प्यार
- नन्ही कविताएं

सत्यव्रत की प्रस्तुति